

मोहमिल वि. (अर.) 1. जिसका कोई अर्थ न हो, निरर्थक 2 जिसका अर्थ स्पष्ट न हो 3. छोड़ा हुआ, त्यक्त।

मोहर स्त्री. (फा.) 1. कोई ऐसी चीज जिस पर किसी का नाम या और कोई चिह्न अंकित हो और जिसका ठप्पा कागजों आदि पर मालिक की ओर से यह सूचित करने के सिर लगाया जाता है कि यह प्रामाणिक है 2. मुगल शासन में सोने का वह सिक्का जिसकी तौल, धातु आदि की प्रामाणिकता सिद्ध करने के लिए टकसाल या शासन का ठप्पा लगा रहता था।

मोहरा पुं. (देश.) 1. किसी बर्तन का मुँह या उपरी खुला भाग 2. किसी पदार्थ का ऐसा अगला या उपरी भाग जो प्रायः मुँह के आकार या रूप का हो 3. सेना की प्रथम पंक्ति 4. किसी वस्तु के उपर का छेद 5. घोड़े के मुँह पर पहनाने का एक साज 6. शतरंज की गोट 7. सोने-चाँदी पर की गई नक्काशी को चमकाने वाला एक उपकरण।

मोह-रात्रि स्त्री. (तत्.) भाद्र कृष्ण अष्टमी की रात्रि पुं पुराणानुसार वह प्रलय काल जो ब्रह्मा के पचास वर्ष बीतने पर होता है, दैनंदिनी प्रलय।

मोहराना पुं. (फा.) वह धन जो किसी कर्मचारी को मोहर करने के बदले में दिया जाए, मोहर करने का पारिश्रमिक।

मोहरी स्त्री. (देश.) 1. किसी चीज का अगला या वह भाग जो मुँह की तरह हो 2. ऊँट की नकेल 3. ऊपरी खुला हुआ कुछ अंश या भाग 4. एक प्रकार की मधुमक्खी जो खान-देश में होती है।

मोहरूख वि. (तद्.) 1. जिसका मरण काल आसन्न हो 2. मूर्च्छित।

मोहरिर पुं. (अर.) 1. किसी कार्यालय में कागज आदि लिखने का काम करने वाला, लिपिक दे. मुहरिर।

मोहलत स्त्री. (अर.) 1. फुर्सत, अवकाश 2. काम से मिलने वाली छुट्टी 3. किसी काम के लिए नियत की हुई अवधि।

मोहल्ला पुं. (अर.) नगर, कस्बा आदि बस्ती का भाग, टोला टि. 'मोहल्ला' को 'मुहल्ला' भी कहा जाता है।

मोहसिन वि. (अर.) एहसान या उपकार करने वाला, उपकारक।

मोहाड़ पुं. (देश.) 1. तालाब का बाँध 2. दे. मोहड़ा।

मोहार पुं. (देश.) 1. मधुमक्खी की एक जाति जो सबसे बड़ी होती है, सारंग 2. मधुमक्खी का छत्ता, भौरा 3. मुँह 4. द्वार।

मोहारनी स्त्री. (देश.) 1. भारतीय शिक्षा-प्रणाली में आरंभिक तथा छोटे विद्यार्थियों से कराई जाने वाली वह क्रिया जिसमें गिनती, पहाड़े आदि याद कराने के लिए सामूहिक रूप से उन्हें खड़ा करके रटाया जाता है, मुहारनी।

मोहाल पुं. (अर.) महाल।

मोहि सर्व. (देश.) मुझे, मुझको।

मोहित वि. (तत्.) 1. जिसके मन में मोह उत्पन्न हुआ हो या किया गया हो 2. मोह या भ्रम में पड़ा हुआ 3 पूर्ण रूप से आसक्त या मुग्ध।

मोहिनी वि. (तत्.) मोहित करने या मोहने वाली स्त्री। 1. माया, मोह 2. भगवान का वह सुंदरी स्त्री वाला रूप जो उन्होंने समुद्र मंथन के उपरांत अमृत बाँटने के समय असुरों को मोहित करके उन्हें धोखे में डालने के लिए धारण किया था। इसी रूप में उन्होंने देवताओं को अमृत तथा असुरों को विष पिलाया था 3. बैशाख शुक्ल एकादशी 4. त्रिपुर नामक पौधा और उसका फल 5. एक प्रकार का अर्धसम वृत्त छंद जिसके पहले और तीसरे चरणों में सात मात्राएँ होती हैं और प्रत्येक चरण के अंत में एक सगण अवश्य होता है।

मोहिल वि. (देश.) 1. मोह से युक्त 2. मोहित करने वाला उदा. नवल मोहिलौ मोहि तजौ जिन, तोहि सौहप्रिय पावन-सह चरिशरण।

मोही वि. (तत्.) 1. मोह या भ्रम में पड़ा हुआ, अज्ञानी 2. मोह करने वाला 3. लालची 4. मोहित करने वाला 5. जिसके मन में सभी के प्रति मोह या प्रेम है।